

सम्पादकीय

भारत-मलेशिया संबंधों के विस्तार करने का संकल्प
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को तीन मुद्दों पर सहमति बनी। पहला व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा उन्नत विनिर्माण तथा सेमीकंडक्टर जैसे उच्च प्रथमिकता वाले क्षेत्रों से अपने संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिया। दोनों देश व्यापार निस्तारण के लिए स्थानीय मुद्राओं यानि भारतीय रुपया और मलेशियाई रिगिट के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं।

दूसरा विषय आतंकवाद था जिस पर दोनों नेताओं ने व्यापक चर्चा की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों की स्पष्ट और कड़ी निन्दा की और आतंकवाद के प्रति बिल्चुल बर्दाशत नहीं करने की नीति का आह्वान किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद से व्यापक और सतत तरीके से निपटने के लिए समन्वित वैश्विक प्रयासों का आह्वान किया तथा कट्टरता एवं हिंसक चरमपंथ का मुकाबला करने की दिशा में काम करने की दिशा में सहमति व्यक्त की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने आतंकवाद के वित्त पोषण से निपटने और आतंकवादी उद्देश्यों के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग को रोकने की दिशा में काम करने का भी संकल्प लिया। वार्ता का तीसरा विषय रहा संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों में सहयोग को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के सुधारों का समर्थन करने पर भी सहमति व्यक्त की।

वातचीत और सहमति का चौथा विषय था समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करते हुए बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प।

दरअसल मलेशिया भारत का समुद्री पड़ोसी है और आसियान का महत्वपूर्ण सदस्य है। भारत की 'पूर्व की तरफ देखो' की नीति के लिए फिट भी बैठता है। पिछले दिनों कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाने की चपल से भारत का कोषाभजन बने मलेशिया से भारत ने कोकोनट आल्य का आयात कम करने का सामान्य पैसला लिया। मात्र इसी पैसले से मलेशिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो गई। भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है और सर्वाधिक जनसंख्या होने के कारण दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता बाजार है। आज भारतीय उपभोक्ताओं की बढ़ती ख़य शक्ति के कारण भी विकासशील देश आकर्षित हो रहे हैं।

यह सच है कि भारत पाकिस्तान वेंद्रित विदेश एवं व्यापार नीति भले ही नहीं बनाता। किन्तु यह भी सच है कि बारूदी पड़ोसी होने के कारण उसकी प्रोत छाया भारत के हर उस देश के संबंधों पर पड़ती है जो भारत से संबंध नहीं रखता। क्षेत्रीय सैन्य संगठनों, शीत युद्ध और विस्तारवाद के दिन लंद ग ए आज ज़रूरत है हरसंभव प्रयास करना कि अपनी मौजूदगी संसाधनों से व्यापार, रक्षा उत्पादन, प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रगति की संभावनाएं एवं सहयोग तलाशना। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा सराहनीय है।

बहरहाल दोनों देशों के बीच व्यापार विस्तार तो होगा ही साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में सहयोग भी बढ़ेगा। आज विश्व विलेज की अवधारणा में चाहे कोई कितना ही समृद्ध और सशक्त देश हो, उसे दूसरे देशों के सहयोग की जरूरत पड़ती ही है। अकेले कोई भी देश अपनी जरूरतें पूरी नहीं कर सकता। क्षेत्रीय सैन्य संगठनों, शीत युद्ध और विस्तारवाद के दिन लंद ग आज ज़रूरत है हरसंभव प्रयास करना कि अपनी मौजूदगी संसाधनों से व्यापार, रक्षा उत्पादन, प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रगति की संभावनाएं एवं सहयोग तलाशना। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा सराहनीय है।

2025 में सीसीआई ने प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं/प्रतिरक्षा-विरोधी उपायों के 54 मामले दर्ज किए और विलय (एमएंडए) के 149 आवेदन प्राप्त किए

(जीएनएस)।
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने देश में प्रतिस्पर्धा कानून सुधारों और संशोधनों के संबंध में निम्नलिखित कदम उठाए हैं।

वर्ष 2025 के दौरान, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ('सीसीआई') ने प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं/प्रतिरक्षा विरोधी उपायों से संबंधित 54 मामले दर्ज किए और विलय (एमएंडए) के 149 आवेदन प्राप्त किए। आयोग ने 38 प्रतिरक्षा विरोधी मामलों में अंतिम आदेश पारित किए और 146 विलय नोटिसों का निपटारा किया।

हाल ही में हुए प्रतिस्पर्धा कानून सुधारों को लागू करने के लिए, भारत सरकार ने प्रतिस्पर्धा (संशोधन) अधिनियम, 2023 के तहत विभिन्न नियमों और विनियमों को अधिसूचित किया, जिसे 11.04.2023 को पारित किया गया था। जुमाने के निर्धारण के लिए, प्रतिस्पर्धा (संशोधन)

अधिनियम, 2023 में व्यक्ति या उद्यम के वैश्विक कारोबार के आधार पर जुमाने की गणना का प्रावधान किया गया है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सीसीआई (मौद्रिक दंड निर्धारण) दिशानिर्देश, 2024 को अधिसूचित किया है, जिसमें दंड निर्धारण के लिए एक विस्तृत कार्यप्रणाली निर्धारित की गई है।

आयोग के समक्ष कार्यवाही की दक्षता, पारदर्शिता और समयबद्धता में सुधार करने के लिए, प्रतिस्पर्धा (संशोधन) अधिनियम, 2023 ने विलय और अधिग्रहण (कॉम्बिनेशन) की मंजूरी के लिए समय सीमा को 210 दिनों से घटाकर 150 दिन करने के लिए दूरदर्शी सुधार पेश किए और प्रतिस्पर्धा मामलों के तेजी से समाधान के हित में निपटान और प्रतिबद्धता ढांचा भी पेश

भारत-सेशेल्स : उन्नत संपर्कों के माध्यम से आर्थिक विकास तथा सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की संयुक्त रूपरेखा

(जीएनएस)।
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी 5 से 10 फरवरी 2026 तक भारत के राजकीय दौरे पर हैं।

राष्ट्रपति हर्मिनी का यह राजकीय दौरा, उनके शपथ ग्रहण के लगभग 100 दिनों के बाद हो रहा है, जो भारत और सेशेल्स की अपनी दीर्घकालिक एवं बहुआयामी द्विपक्षीय साझेदारी को सुदृढ़, विस्तृत और अधिक गहन बनाने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह राजकीय दौरा इसलिए भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह संयोगवश सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ तथा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रहा है।

9 फरवरी 2026 को हुई उनकी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति हर्मिनी ने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण दायरे को समाहित करते हुए व्यापक एवं सार्थक चर्चा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अक्टूबर 2025 में सम्पन्न चुनावों में सफलता

(जीएनएस)।
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की देखरेख और रखरखाव में कुल 3686 केंद्रीय संरक्षित स्मारक हैं। इन संरक्षित स्मारकों का संरक्षण कार्य एएसआई द्वारा वार्षिक संरक्षण योजना की स्वीकृति के बाद स्मारक की आवश्यकताओं के अनुसार किया जाता है तथा सभी स्मारक अच्छी स्थिति में संरक्षित हैं।

एएसआई देश भर में फैले 52 पुरातात्विक स्थल संग्रहालयों के माध्यम से पुरातात्विक उत्खनन और संरक्षित स्मारकों से प्राप्त प्राचीन वस्तुओं और कलाकृतियों का संरक्षण और प्रदर्शन भी करता है। इन संग्रहों को संग्रहालय अभिग्रहण रजिस्टरों में

के लिए राष्ट्रपति हर्मिनी को बधाई दी। दोनों नेताओं ने पुनः पुष्टि की कि भारत और सेशेल्स की निकटवर्ती समुद्री पड़ोसी होने के नाते, इतिहास और आत्मीयता के संबंधों पर आधारित तथा लोकतंत्र और बहुलवाद के साझा मूल्यों से पोषित एक विशेष एवं समय-परीक्षित साझेदारी है। नेताओं ने यह भी स्वीकार किया कि सेशेल्स-भारत संबंध जन-केंद्रित हैं और पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा एवं स्थिरता को सुदृढ़ करते हैं। नेताओं ने भारत के विजय महासागर (टअलअरअरअरअर - क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) में सेशेल्स की भूमिका को एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में भी पुनः रेखांकित किया।

भारत और सेशेल्स को जोड़ने वाले समृद्ध एवं ऐतिहासिक जन-से-जन संबंधों को याद करते हुए, दोनों नेताओं ने सेशेल्स और भारत की जनता की सुरक्षा, समृद्धि तथा कल्याण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं पर और अधिक निकट सहयोग की

व्यवस्थित रूप से तथा डिजिटल रूप से प्रलेखित किया जाता है, जिससे इनका संरक्षण, प्रचार और उचित प्रलेखन सुनिश्चित होता है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने देश भर में स्मारकों (निर्मित विरासत और स्थल) और पुरातन वस्तुओं पर दो राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करने के लिए 2007 में राष्ट्रीय स्मारक और पुरातन वस्तु मिशन (एनएमएमए) की स्थापना की है।

देश भर में लोक कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों की रक्षा, संवर्धन और संरक्षण के लिए, भारत सरकार ने पटियाला, नागपुर, उदयपुर, वस्तुओं और कलाकृतियों का संरक्षण और प्रदर्शन भी करता है। इन संग्रहों को संग्रहालय अभिग्रहण रजिस्टरों में

प्रतिस्पर्धा मापदंड शामिल हैं; उभरते प्रतिस्पर्धी मुद्दों की जांच करना; एआई अनुप्रयोगों, अवसरों, जोखिमों और परिणामों का आकलन करना; भारत और अन्य प्रमुख न्यायक्षेत्रों में नियामक/कानूनी ढांचे को समझना; और आयोग की प्रवर्तन और वकालत प्राथमिकताओं का पता लगाना था।

इस अध्ययन में प्रतिस्पर्धा से जुड़ी प्रमुख चिंताओं की पहचान की गई है, जिनमें उच्च प्रारंभिक लागत और डेटा एवं प्रतिभा के कर्च पहुंच के कारण एआई मूल्य श्रृंखला में एकाग्रता; पारिस्थितिकी तंत्र में फंसे रहना और रिवर्चिंग लागत, एआई-संचालित मूल्य निर्धारण एल्गोरिदम और स्वचालित व्यावसायिक निर्णयों के माध्यम से एल्गोरिथम मिलीभगत का जोखिम; एआई तकनीक के पूरे स्टैक में स्व-वरीयता और उपभोक्ता डेटा के उपयोग के माध्यम से एआई-सक्षम मूल्य भेदभाव शामिल हैं।

आवश्यकता पर बल दिया।

राष्ट्रपति हर्मिनी ने सेशेल्स तथा क्षेत्र के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में भारत की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने सेशेल्स के



विकास एजेंडा की प्रति में भारत द्वारा दी गई दीर्घकालिक सहायता एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों देशों की अपनी-अपनी शक्तियों को रेखांकित करते हुए तथा इस संबंध के महत्व को स्वीकार करते हुए, दोनों नेताओं ने उन्नत संपर्कों के माध्यम से सततता, आर्थिक विकास

मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

स्थापित किए हैं। ये जेडसीसी पूरे भारत में नियमित रूप से विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जिसके लिए वे लोक/आदिवासी कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित करते हैं। इन कलाकारों को मानदेय, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता, स्थानीय परिवहन, आवास आदि का भुगतान किया जाता है ताकि वे अपनी आजीविका कमा सकें।

प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 की धारा 4 के अनुसार राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों एवं क्षेत्रों (स्थलों) की घोषणा की जाती है। निर्धारित प्रारूप में सहायक दस्तावेजों सहित प्रस्तुत प्रस्तावों का मूल्यांकन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) द्वारा किया जाता है। टीईसी की सिफारिश पर, केंद्र सरकार जनता की राय जानने के लिए अधिसूचना जारी

जैव विविधता प्रबंधन समितियों को 45.05 लाख रुपए वितरित

(जीएनएस)।
जैव विविधता के संरक्षण और जैविक संसाधनों के उपयोग से मिलने वाले लाभों के निष्पक्ष एवं समान वितरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने राज्य जैव-विविधता बोर्डों और केंद्र शासित प्रदेश जैव-विविधता परिषदों के जरिए लाभार्थियों के बीच 45.05 लाख रुपए का वितरण किया है।

इस भुगतान से 10 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित 90 से अधिक जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी) और आंध्र प्रदेश के 15 लाल चंदन किसानों को लाभ मिलेगा। इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र

एवं सुरक्षा के लिए संयुक्त विजय (एसईएसईएल-सेसेल) की घोषणा की।

राजनीतिक आदान-प्रदान नेताओं ने सेशेल्स और भारत के

बीच नियमित उच्च-स्तरीय राजनीतिक बैठकों, दौरों तथा परामर्शों के महत्व को स्वीकार किया। दोनों पक्षों ने नेतृत्व स्तर, मंत्रिस्तरीय स्तर तथा वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर राजनीतिक एवं सामाजिक-आर्थिक सहभागिता को और सुदृढ़ करने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच सहयोग को और गहन बनाने तथा संसदीय आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें संसदीय कार्यवाही तथा क्षमता विकास से संबंधित सर्वोत्तम पद्धतियों का आदान-प्रदान भी शामिल है।

विकास साझेदारी
राष्ट्रपति हर्मिनी ने ऋण सहायता, अनुदान, क्षमता निर्माण तथा उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) के माध्यम से सेशेल्स की विकास एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के लिए भारत के अटूट समर्थन को मान्यता दी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रीय विकास एजेंडा में एक प्रमुख और विश्वसनीय साझेदार बने रहने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया, जिसमें विशेष रूप से सततता, रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा, क्षमता विकास, लचीलापन तथा समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

दोनों देशों के बीच जन-केंद्रित विकास साझेदारी का विस्तार और उसे

इन संग्रहालयों के संग्रहों का विवरण और उनकी छवियां उपलब्ध हैं। अब तक डिजिटाइज्ड लेखों को देखा जा सकता है।

इसके अलावा, एनएमएमए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है ताकि विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य इच्छुक संगठनों में जागरूकता बढ़ाई जा सके और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा सकें।

भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों (संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन) के माध्यम से राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सवों (आरएसएम) का आयोजन करता है, ताकि हमारे अद्भुत देश की परंपरा, संस्कृति, विरासत और समृद्ध विविधता की भावना का जश्न मनाया जा सके। इस महोत्सव का व्यापक उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, प्रचार और प्रसार करना, युवा पीढ़ी को हमारी परंपराओं

और अधिक सुदृढ़ करने के लिए निकट सहयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हुए, भारत ने 175 मिलियन अमरीकी डॉलर के एक 'विशेष आर्थिक पैकेज' की घोषणा की। इस पैकेज में 125 मिलियन अमरीकी डॉलर की रुपये-नामित ऋण सहायता तथा 50 मिलियन अमरीकी डॉलर की अनुदान सहायता के रूप में मिश्रित वित्तीय सहयोग शामिल होगा, जिसका उपयोग विकास सहयोग परियोजनाओं, असेकन एवं रक्षा अधिकारियों के क्षमता विकास, समुद्री सुरक्षा आदि के लिए किया जाएगा।

भारत के तीव्र डिजिटलीकरण की वैश्विक दक्षिण के लिए एक सकारात्मक शक्ति के रूप में स्वीकार करते हुए, दोनों नेताओं ने डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में निकट सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। सेशेल्स के नागरिकों के हित में शासन के डिजिटलीकरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, भारत ने सेशेल्स की आवश्यकताओं और जरूरतों के अनुरूप डिजिटल भुगतान सहित

से जोड़ना और विविधता में एकता के माध्यम से राष्ट्र और विश्व के सामने हमारी सौम्य शक्ति का प्रदर्शन करना है। वर्ष 2015 से, मंत्रालय ने अपने सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से 14 आरएसएम और 4 क्षेत्रीय स्तर के आरएसएम आयोजित किए हैं। इन आरएसएम/क्षेत्रीय आरएसएम में कुल 12543 कलाकारों ने भाग लिया है। इन कलाकारों को मानदेय, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता, स्थानीय परिवहन, आवास आदि का भुगतान किया गया ताकि वे अपनी आजीविका कमा सकें।

इसके अलावा, एनएमएमए ने 11,406 निर्मित धरोहर स्थलों और 12,47,668 पुरातन वस्तुओं के आंकड़े प्रलेखित और प्रकाशित किए हैं। ये आंकड़े एनएमएमए की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

यह जानकारी क्षेत्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज लोकसभा में लिखित उत्तर में दी।

योटा और भाषिनी का सॉवरेन एआई क्लाउड को सक्षम बनाने के लिए सहयोग, जनसंख्या-स्तरीय एआई के लिए भारत की तत्परता का प्रदर्शन

(जीएनएस)।
भारत की अग्रणी सॉवरेन क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्लेटफॉर्म सेवा प्रदाता कंपनी योटा डेटा सर्विसेज ने आज जोटा के गवर्नमेंट क्यूम्टिटी क्लाउड (सीसीसी) और शक्ति क्लाउड पर भाषिनी के संपूर्ण सॉवरेन एआई क्लाउड रूपांतरण की सफल तैनाती की घोषणा की। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि इंडियाएआई मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है और आत्मनिर्भर एवं स्केलेबल एआई क्षमताओं की दिशा में भारत की यात्रा में एक बड़ा कदम है। इस विकास के साथ, भाषिनी अब पूरी तरह से भारतीय क्लाउड और जीपीयू इन्फ्रास्ट्रक्चर पर संचालित होता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भाषा डेटासेट, मॉडल और नागरिक अंतःक्रियाएं भारत के अधिकार क्षेत्र में ही रहें।

इस महत्वपूर्ण विकास को 'द इंडिया एआई सॉवरेनिटी डायलॉग्स' में प्रदर्शित किया गया, जो एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का एक आधिकारिक प्री-समिट इवेंट था। इसका आयोजन

योटा और डिजिटल इंडिया के भाषिनी डिवीजन द्वारा किया गया था और इसे इवेंट में जारी की गई 'सॉवरेन एआई क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन रिपोर्ट' में शामिल किया गया है। रिपोर्ट में विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन, महाकुंभ 2025 में वास्तविक तैनाती के अनुभव का उल्लेख है, जहां भाषिनी की बहुभाषी एआई सेवाओं का व्यापक जनसमूह पर परीक्षण किया गया था। योटा के एनवीडीया एच100-सक्षम शक्ति क्लाउड द्वारा संचालित, इस प्लेटफॉर्म ने 11 से अधिक भारतीय भाषाओं में वास्तविक समय अनुवाद और ध्वनि-आधारित सहायता प्रदान की, जिसमें बहुभाषी सहायता 'कु'भ सह'एआई'यक' भी शामिल है।

इस परियोजना से यह सिद्ध होता है कि राष्ट्रीय डिजिटल सार्वजनिक संसाधनों को हाइपरस्केलर वातावरण से स्वदेशी क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर में कैसे स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे प्रदर्शन में 40 प्रतिशत तक सुधार, लागत में 20 से 30 प्रतिशत की बचत और 99.99 प्रतिशत निरंतर अपटाइम

प्राप्त होता है। यह उपलब्धि 200 टीआईबी से अधिक डेटा और 3.5 बिलियन से अधिक फाइलों में शून्य डेटा हानि के साथ हासिल की गई। इस अवसर पर इंलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में एच.सचिव, श्री अभिषेक सिंह, इंडियाएआई मिशन के मुद्द'य कार्यकारी अधिकारी और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के महानिदेशक ने कहा, 'हम भाषिनी का स्वदेशी क्लाउड और जीपीयू प्लेटफॉर्म पर सफल स्थानांतरण यह दर्शाता है कि भारत सार्वजनिक हित के लिए अपने सॉवरेन एआई सिस्टम का निर्माण, विस्तार और सुरक्षा कर सकता है। यह भारत की अनूठी आवश्यकताओं के अनुरूप सॉवरेन कंप्यूटिंग क्षमता, मॉडल विकसित करने और एआई अनुप्रयोगों को तैनात करने के इंडियाएआई मिशन के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है, जिसमें जनसंख्या स्तर पर विश्वसनीय, वास्तविक समय, ध्वनि-आधारित सेवाओं की डिलीवरी शामिल है।

डिजिटल इंडिया भाषिनी डिविजन के मुद्द'य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ नाग ने प्लेटफॉर्म के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, कहा, 'हम योटा के सॉवरेन एआई क्लाउड पर जाने से भाषिनी को भारत की भाषाई विविधता को बनाए रखने के लिए अधिक नियंत्रण, लचीलापन और विस्तारशीलता मिलती है। यह परिवर्तन समावेशी, वास्तविक समय में बहुभाषी सेवाएं प्रदान करने की हमारी क्षमता को मजबूत करता है और एआई में डिजिटल सार्वजनिक अवसर-रचना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भविष्य में तैनाती के लिए खाके के रूप में भी काम करेगा क्योंकि हम पूरी तरह से सॉवरेन स्टैक में परिवर्तित हो रहे हैं।

इंडियाएआई मिशन की मुद्द'य कार्यकारी अधिकारी सुश्री कविता भाटिया ने कहा, 'हम भाषिनी का पूरी तरह से सॉवरेन एआई क्लाउड में परिवर्तन, भारतीय बुनियादी ढांचे पर जनसंख्या-स्तरीय एआई विकसित करने के इंडियाएआई मिशन के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भारतीय औषध संहिता आयोग (आईपीसी) ने औषधि सुरक्षा, गुणवत्ता मानक और क्षमता निर्माण सुदृढ़ बनाने के लिए तीन समझौता ज्ञापन

(जीएनएस)।
केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्था, भारतीय औषध संहिता आयोग - इंडियन फार्माकोपिया कमीशन (आईपीसी) ने देश में दवाओं की सुरक्षा, गुणवत्ता आश्वासन और क्षमता निर्माण पहल सुदृढ़ करने के लिए गोवा राज्य फार्मेसी परिषद (जीएसपीसी), भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) और एचएएलएल इफ्रा टेक सर्विसेज



लिमिटेड (एचआईटीईएस) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर

मोदी सरकार के सुधारों से भारत के किफायती चिकित्सा और निदान के वैश्विक केंद्र के रूप में आगे बढ़ने की उम्मीद है: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।
मोदी सरकार के पिछले एक दशक में किए गए सुधारों से भारत के किफायती चिकित्सा और निदान के वैश्विक केंद्र के रूप में आगे बढ़ने की उम्मीद है: डॉ. जितेंद्र सिंह केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने चंडीगढ़ में इंडियन थायराइड सोसाइटी सम्मेलन का उद्घाटन किया और थायराइड विकारों से निपटने के लिए मानसिकता में बदलाव का आह्वान किया

42 मिलियन थायराइड मामलों के लिए राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता है; हाइपोथायरॉइडिम देश के लिए खतरा है: डॉ. जितेंद्र सिंह थायराइड विकारों का शीघ्र पता लगाना भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, थायराइड के बढ़ते खतरे से कार्यबल की दक्षता और राष्ट्रीय विकास प्रभावित होता है: डॉ. जितेंद्र सिंह

वैज्ञानिक नवाचार और जैविक-अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सहायक होती है। पहुंच और लाभ-साझाकरण व्यवस्था के तहत, कंपनियों द्वारा अर्जित व्यावसायिक लाभ का एक हिस्सा संबंधित समुदायों को लौटाया जाता है। इससे न केवल उनकी आजीविका में सुधार होता है, बल्कि उन्हें जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के लिए प्रेरणा भी मिलती है।

हाल के वर्षों में, एनबीए ने पारदर्शिता को बढ़ाने और व्यापार सुगमता के लिए सरल नियम लागू किए हैं, साथ ही समुदायों के हितों की रक्षा और जैव विविधता संरक्षण को प्राथमिकता देना जारी रखा है। जैव विविधता को स्थायी रूप से उपयोग में

लाने और इसके संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एनबीए विभिन्न हितधारकों जैसे राज्यों, स्थानीय निकायों, शोधकर्ताओं, उद्योगों और समुदायों के साथ मिलकर काम करता है। यह जमीनी स्तर पर पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित रखते हुए जन जैव-विविधता रजिस्टरों का दस्तावेजीकरण और सड़कतात्विक दृष्टिकोण के माध्यम से जैव-विविधता के प्रबंधन का समर्थन करता है।

इन प्रयासों के चलते, कुल एबीएस भुगतान 145 करोड़ रुपए (लगभग 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक हो गया है। राष्ट्रीय जैव-विविधता सम्मेलन और नागोंया प्रोटोकॉल के तहत भारत की जिम्मेदारियों को राष्ट्रीय एवं

किया गया है। इससे पंजीकृत फार्मासिस्टों के बीच भारत की राष्ट्रीय फामुलैरी की बढ़ावा देना, भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) के बारे में रिपोर्टिंग तंत्र मजबूत करना, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और सतत शिक्षा गतिविधियां आयोजित करना तथा दवा सुरक्षा, फार्माकोपियल मानकों और संवहनीय फार्माकोपिया से संबंधित जागरूकता पहल सुगम बनाना है। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र स्थापित करना और उनकी सक्षमता बढ़ाने में सहयोग देना तथा राज्य भर के स्वास्थ्य केंद्रों में व्यवस्थित रिपोर्टिंग और दस्तावेजीकरण परिपाटी को बेहतर बनाना है।

भारतीय औषध संहिता आयोग और भारतीय गुणवत्ता परिषद - क्यूसीआई के बीच समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों संस्थानों ने गुणवत्ता संवर्धन, जन स्वास्थ्य जागरूकता और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग पर सहमति व्यक्त की है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने छात्रों को लिखी खास चिट्ठी, चाइनीज मांझे और मोबाइल को लेकर किया आगाह

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में बोर्ड के एजाम पास आने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्रों से सीधे संपर्क साधते हुए एक जरूरी मैसेज दिया। उन्होंने प्रतिबंधित चीनी पदार्थों के खतरों के प्रति आगाह किया और मोबाइल फोन की लत के कारण पढ़ाई और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों के बारे में भी चेतावनी दी। अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर बच्चों को लिखे एक लेटर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फोन की लत के से सचेत करते हुए कहा कि ज्यादा गेम खेलना या वीडियो



देखना समय की बर्बादी है और यह पढ़ाई को प्रभावित करता है और आँखों की रोशनी को भी कमजोर करता है। उन्होंने छात्रों को पढ़ने, खेलकूद करने, परिवार के साथ समय बिताने और मोबाइल का सीमित

बैठने वाले छात्रों को आश्वासन और सलाह दी। उन्होंने छात्रों को अपनी तैयारी में अनुशासित, हृदय और स्थिर रहने के लिए प्रोत्साहित किया और परिणामों के भय से विचलित न होने की सलाह दी। श्रीमद् भगवद् गीता का हवाला देते हुए सीएम योगी ने कहा, ह्रमन्व्य को केवल अपने कर्मों पर अधिकार है, परिणामों पर नहीं। मुख्यमंत्री योगी ने परीक्षा में बैठने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे अच्छे प्रदर्शन करेंगे और अपने परिवारों और राज्य को गौरवान्वित करेंगे।

सीएचसी बीसलपुर में अव्यवस्था: गार्ड पर रिश्तेदारों को लाइन तोड़कर पर्चा बनवाने का आरोप, मरीज परेशान

(जीएनएस)। बीसलपुर (पीलीभीत)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बीसलपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था एक बार फिर सवाल के घेरे में है। सोमवार को अस्पताल में पर्चा बनवाने के लिए लंबी कतार के बीच अव्यवस्था और पक्षपात के आरोप सामने आए, जिससे मरीजों और तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह से ही ओपीडी पर्चा कांस्टेबल पर मरीजों की लंबी लाइन लगी हुई थी। बुखार, खांसी, दर्द व अन्य बीमारियों से पीड़ित लोग घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे, लेकिन लाइन बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रही थी। इसी



बीच ड्यूटी पर तैनात गार्ड वीरेंद्र प्रसाद पर आरोप लगा कि उन्होंने नियमों को ताक पर रखते हुए अपने परिचितों व रिश्तेदारों को पीछे के रास्ते

से अंदर भेजकर उनका पर्चा पहले बनवा दिया। लाइन में खड़े लोगों का कहना था कि वे काफी देर से कतार में लगे थे, लेकिन गार्ड द्वारा कुछ लोगों को सीधे अंदर भेजा जा रहा था। इससे कतार में खड़े मरीजों में रोष फैल गया और व्यवस्था कुछ समय के लिए बिगड़ती नजर आई। लोगों ने आरोप लगाया कि गरीब और सामान्य मरीज घंटों लाइन में खड़े रहे, जबकि सिफारिश वाले लोग बिना इंतजार के अंदर चले गए। मरीजों का कहना है कि अस्पताल में पहले से ही स्टाफ की कमी और बीडी की समस्या बनी रहती है, ऐसे में यदि सुरक्षा कर्मी ही नियमों का पालन न करें तो आम जनता को भारी दिक्कत झेलनी पड़ती है। कई लोगों ने अस्पताल प्रशासन से व्यवस्था सुधारने और दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। प्रशासन से कार्रवाई की मांग स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में पारदर्शिता और समान व्यवस्था होनी चाहिए। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल अनुशासनहीनता है, बल्कि मरीजों के अधिकारों के साथ अन्याय भी है। लोगों ने उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

पाँक्सो एक्ट व मारपीट मामले में दोषी को 3 साल की सजा

पुलिस की मजबूत पैरवी रंग लाई, अदालत ने लगाया 15 हजार रुपये का जुमाना (जीएनएस)। पौलीभीत। जनपद पुलिस की प्रभावी विवेचना और न्यायालय में सशक्त पैरवी के चलते एक गंभीर आपराधिक मामले में आरोपी को सजा दिलाने में सफलता मिली है। थाना बिलसंडा पुलिस द्वारा दर्ज पाँक्सो एक्ट व मारपीट के मामले में मानीय न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार

देते हुए 3 वर्ष के कारावास और 15,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस विभाग से जारी प्रेस नोट के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। जानकारी के मुताबिक दिनांक 26 जुलाई 2017 को प्राप्त सूचना के आधार पर थाना बिलसंडा में मुकदमा संख्या 40/2023 धारा 354 आईपीसी एवं 7/8 पाँक्सो एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया था।

विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य एवं गवाहों के बयान एकत्र कर आरोपी विक्रमजीत सिंह पुत्र रणवीर सिंह, निवासी निगाम मोहम्मदपुर, थाना बिलसंडा, जनपद पीलीभीत के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मामला मानीय न्यायालय एएसजे/विशेष न्यायाधीश पाँक्सो एक्ट, पीलीभीत में विचारधीन रहा। न्यायालय में अभियोजन पक्ष की सशक्त पैरवी और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 09 फरवरी 2026

को अदालत ने आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए तीन वर्ष का कठोर कारावास एवं 15 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अपराधियों पर सख्त कार्रवाई का संदेश पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों के मामलों में जनपद पुलिस गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। दोषियों को सजा दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है, ताकि समाज में कानून का भय बना रहे।

चाइनीज मांझे की बिक्री पर रोक दुर्घटनाओं को रोकने एवं चाइनीज मांझा की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही

(जीएनएस)। प्रयागराज। लगाये जाने के सम्बन्ध में दोषी पाये गये व्यक्तियों के विरुद्ध न्यायमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान कमिश्नर प्रयागराज के सभी थाना प्रभारी निम्नलिखित कार्यवाही करेंगे।* 1-सभी थाना प्रभारी सदिग्ध दुकानों की चेकिंग करेंगे।



2- चाइनीज मांझा बेचने वाले सभी दुकानों का सत्यापन किया जाये।

- 3- चाइनीज मांझा बेचने वालों के नेटवर्क का पता लगाया जाये।
- 4- चाइनीज मांझे के जन्वीकरण की कार्यवाही की जाये।
- 5- जनता के व्यक्तियों को सूचना देने के लिये प्रोत्साहित किया जाये, सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जायेगा।
- 6- उक्त कार्यवाही की समीक्षा पुलिस आयुक्त, प्रयागराज द्वारा की जायेगी। शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

डॉ० आदर्श त्रिपाठी अल्माटी के कैस्पियन यूनिवर्सिटी में हुए सम्मानित

(जीएनएस)। लखनऊ के जाने माने होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ आदर्श त्रिपाठी ने होम्योपैथिक के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है (जटिल और गंभीर रोगों के सफल उपचार तथा चिकित्सा के शोध और विज्ञान से जोड़ने के अनेकों प्रयास ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई। कजाकिस्तान के अल्माटी स्थित कैस्पियन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और विदेशों में चिकित्सा उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉ आदर्श त्रिपाठी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कैस्पियन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ (प्रो) अयूब सईद द्वारा प्रदान किया गया इन अवसर पर चिकित्सा अनुसंधान उपचार पद्धति के विकास तथा वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर

बनाने पर चर्चा की गई। डॉ आदर्श त्रिपाठी के कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया और उनके योगदान को चिकित्सा जगत के लिए प्रेरणादायक बताया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ आदर्श त्रिपाठी ने कहा यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और वे आगे भी चिकित्सा सेवा अनुसंधान तथा मरीजों के बेहतर उपचार के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान के आदान प्रदान की आवश्यकता पर भी बल दिया तथा तमाम जटिल बीमारियों त्वचा रोग ,पथरी(गिर्दा , पीत),फैटी लिवर ,लिवर सोरायसिस , इनफर्टिलिटी,बच्चेदानी की गांठ ,ओवेरियन सिस्ट ,लिकोरिया ,मानसिक रोग , गुप्त रोग ,बाल झड़ना ,पार्केसन ,मिर्गी ,आदि बीमारियों में जर्मन दवाइयों द्वारा लोगों को ठीक



किया गया इस उपलब्धि पर उनके सहयोगियों, चिकित्सकों तथा शुभचिंतकों ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए इसे गर्व का विषय बताया है।

पीलीभीत ज्वेलरी शॉप में व्यापारी-पार्टनर पर जानलेवा हमला: गला दबाया, नकदी लूटने की कोशिश, सी सी टीवी में कैद

(जीएनएस)। पीलीभीत शहर के जमनी चौराहा स्थित एक ज्वेलरी शॉप में सराफा व्यापारी और उनके पार्टनर पर हमला किया गया। हमलावरों ने पार्टनर का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया और नकदी छीनने की भी कोशिश की। शहर कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित व्यापारी शिवम रस्तोगी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि यह घटना 7 फरवरी 2026 की सुबह करीब 10 बजे हुई। वह जमनी चौराहा स्थित अपनी दुकान 'दिनेश कुमार रस्तोगी ज्वेलर्स एण्ड बैंकर्स' पर अपने पार्टनर अभिषेक शंखधर के साथ बैठे थे। इसी दौरान मोहल्ला मोहतसिम खां निवासी विशाल रस्तोगी अपनी बेटीयों नंदनी और किट्टो के साथ दुकान में घुस आया। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने



आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी तहरीर के अनुसार, आरोपियों ने दुकान के भीतर ही शिवम और अभिषेक के साथ मारपीट की। विशाल रस्तोगी ने अभिषेक शंखधर का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। इस दौरान आरोपियों ने अभिषेक से रुपए छीनने की भी कोशिश की। शोर मचाने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। व्यापारी शिवम रस्तोगी ने बताया कि यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। पीड़ित ने तहरीर के साथ घटना की वीडियो फुटेज भी पुलिस को सौंपी है। शहर कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, हालत गंभीर

अज्ञात चालक के खिलाफ तहरीर, इलाज के कारण पीड़ित बयान देने में असमर्थ (जीएनएस)। बीसलपुर (पीलीभीत)। कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र में सड़क दुर्घटना का गंभीर मामला सामने आया है। तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही कार ने मोटरसाइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पीड़ित का इलाज चल रहा है और उसकी

हालत चिंताजनक बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम परसिया निवासी संजय कुमार पुत्र नंद लाल 27 जनवरी 2026 को लगभग शाम 4 बजे मोटरसाइकिल से बीसलपुर की ओर जा रहे थे। जब वह जूनियर हाई स्कूल बीसलपुर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। उसके एक हाथ

और पैर में फ्रैक्चर बताया जा रहा है तथा शरीर पर कई गंभीर चोटें आई हैं। घायल की मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन संख्या वट 26 अश 0229) भी क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में कार का नंबर वट 32 उख 4185 बताया गया है। तहरीर में अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। गंभीर

पत्रकारिता को नई पहचान, पत्रकार प्रेस परिषद ने भारत में पहली बार लागू किया ड्रेस कोड, पदाधिकारियों को ₹3 लाख बीमा व नियुक्ति पत्र किये प्रदान

(जीएनएस)। लखनऊ। पत्रकारिता जगत में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए पत्रकार प्रेस परिषद ने भारत में पहली बार अपने संगठन में अनिवार्य ड्रेस कोड लागू कर पत्रकारों को एक नई और सशक्त पहचान दी है। परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री ऋषभ मिश्रा आजाद के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय का पालन संगठन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा पूर्ण रूप से किया गया। दिनांक 09 फरवरी 2026 सोमवार को एक प्रतिष्ठित होटल में लखनऊ में आयोजित परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संकल्प- 2026 में सभी पदाधिकारी एवं सदस्य सफेद पैंट, सफेद शर्ट एवं सफेद सदरी पहनकर उपस्थित रहे। यह दृश्य पत्रकारिता में अनुशासन और एकसुरता का प्रतीक बना। बैठक में परिषद के चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आजाद, नेशनल ब्रांड एंबेसडर ज्योति बाबा एवं उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष मनीष मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। पत्रकार प्रेस परिषद भारत का एकमात्र पत्रकार संगठन है, जो अपने पदाधिकारियों एवं सक्रिय सदस्यों को ₹3,00,000 (तीन लाख रुपये) का बीमा, नियुक्ति पत्र, आई-कार्ड, डोरी होल्डर व स्टीकर घर पर लगाने हेतु नेम प्लेट जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। इस अवसर पर ₹3 लाख बीमा का वितरण प्रदेश अध्यक्ष मनीष मिश्रा द्वारा, नेम प्लेट वितरण चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आजाद द्वारा एवं आई-कार्ड वितरण नेशनल ब्रांड एंबेसडर ज्योति बाबा द्वारा किया गया साथ ही मंडल अध्यक्ष राजेश निगम एवं मंडल महासचिव उदयभान सिंह ने परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को नियुक्ति पत्र (मनोयन पत्र) प्रदान किए बैठक में संगठन विस्तार के तहत कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी की गईं, जिनमें आर.पी. त्रिपाठी को प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश, सुरेश कुमार द्विवेदी को बुंदेलखंड



कार्यवाहक संयोजक, राजेंद्र प्रसाद वर्मा को बुंदेलखंड सचिव नियुक्त किया गया। साथ ही बुंदेलखंड के दो मंडल एवं सात जिलों का कार्यभार सौंपा गया इसके अतिरिक्त राजीव कुमार मिश्रा जिला सलाहकार कानपुर नगर, सुनील त्रिपाठी एडवोकेट विधिक सलाहकार कानपुर नगर, मनमोहन सिंह तहसील अध्यक्ष घाटमपुर, राजेंद्र सिंह सेनार नियुक्त किए गए सदस्यों को सदस्यता प्रदान की गई। सदस्यता आई कार्ड पाने वालों में प्रमुख रूप से मनमोहन दीक्षित, वैभव दीक्षित, ओम शंकर विश्वकर्मा, अमित सिंह चौहान, विशाल मिश्रा, मधुप दीक्षित एवं प्रदीप कुमार वर्मा, विपिन दुबे, देवाश भाटिया, मनोज मिश्रा, हरिशंकर, मुकेश मिश्रा, सत्य प्रकाश, लक्ष्मीकांत शर्मा, देवेन्द्र सिंह, बृजेश मिश्रा आदि सम्मानित सदस्य मौजूद रहे। इसके अलावा कानपुर नगर एवं कानपुर देहात में भी विभिन्न पदों पर नियुक्तियों की गईं। चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आजाद ने कहा कि ह्रसंगठन को चलाने के लिए नियम, अनुशासन और समर्पण जरूरी है। ड्रेस कोड से पत्रकारों को एक नई पहचान मिलेगी ह्र प्रदेश अध्यक्ष मनीष मिश्रा ने कहा कि अब पत्रकार अकेला नहीं है, पत्रकार प्रेस परिषद हर पत्रकार के साथ खड़ी है। बैठक के दौरान मंचासीन पत्रकार प्रेस परिषद के चेयरमैन ऋषभ मिश्रा आजाद, नेशनल ब्रांड एंबेसडर ज्योति बाबा, प्रदेश अध्यक्ष मनीष मिश्रा, मंडल अध्यक्ष राजेश निगम, मंडल महासचिव उदयभान सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, सभी ड्रेस कोड में उपस्थित थे। अंत में नेशनल ब्रांड एंबेसडर ज्योति बाबा ने सभी को राष्ट्रीय एकता अखंडता एवं नशा मुक्त भारत का संकल्प भी कराया।

नाका कोतवाल अभिनव कुमार वर्मा की पुलिस टीम की एक्टिविटी से फौजी के चेहरे पर खिली मुस्कान

(जीएनएस)। लखनऊ। नाका थाना क्षेत्र चारबाग में आए फौजी का मोबाइल गिरा जाने से फौजी हुआ काफी परेशान लाख प्रयास के बाद भी नहीं मिला फौजी को उसका फोन फौजी परेशान होकर पहुंचा नाका थाने की चारबाग चौकी पर बताई अपनी आपबीती परेशानी फौजी की बात सुन चौकी प्रभारी विश्वजीत सिंह ने तत्काल कांस्टेबल सुधीर यादव को दिया आदेश फौजी का मोबाइल ढूंढने के लिए कांस्टेबल सुधीर यादव को काफी देर की कड़ी मसकत के बाद कांस्टेबल सुधीर यादव ने फौजी का



पाकर फौजी हुआ खुश फौजी ने इंस्पेक्टर नाका के साथ पुलिस टीम का किया दिल से धन्यवाद अदा। फौजी ने अपना खोया मोबाइल वापस

स्वस्थ दिनचर्या हर नागरिक का अधिकार : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने बजट सत्र के दौरान चलने वाले स्वास्थ्य शिविर का जिनका उद्घाटन, मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र की शुरुआत से पहले विधान भवन में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर विधानसभा व विधान परिषद के सदस्यों के लिए लगाया गया है। इसमें केजीएमयू के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष, उप मुख्यमंत्री, मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया गया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट सत्र के दौरान उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा यह शिविर लगाया गया है। यह शिविर माननीय सदस्यों व अन्य लोगों की सुविधा के लिए भी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ दिनचर्या हर नागरिक का अधिकार होनी चाहिए। सरकार भी पूरी

जो जिस क्षेत्र का विशेषज्ञ है, उस विषय की बातें करेगा तो इसका प्रभाव आमजन पर पड़ेगा। सीएम ने सभी सदस्यों से इस सुविधा का लाभ लेने की अपील की।

उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने सभी का आभार प्रकट किया। स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, राकेश सचान, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, बलदेव सिंह ओलख, केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद, एसजीपीजीआई के निदेशक आरके धीमन आदि मौजूद रहे।

सार्वजनिक खड़जे पर ऑटो रिक्शों का खड़ा करना, लोगों को हो रही परेशानी उठी कार्रवाई की मांग

(जीएनएस)। कासिमपुर। सार्वजनिक आम लोगों के आने जाने खड़जे पर ऑटो रिक्शों का खड़े करने से लोगों स्थानी लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है आम जन लोगों का कहना है कि ऑटो खड़जे पर अनियंत्रित खड़े रहते हैं जिसके चलते कभी कुछ लाने ले जाने में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार बताया गया है कि ऑटो रास्ते में ना खड़ा किया जाए लोगों को परेशानियों का सामना



करना पड़ता है। लेकिन ऑटो रिक्शा मालिक इस बात को मानने को तैयार

नहीं है जिसकी किसी अन्य मामले की शिकायत वर्ष 2025 में मेराज अली पत्रकार की गयी थीं जिसके बाद सुलह समझौता में खड़जे पर ऑटो न करने का निर्णय हुआ था लेकिन ऑटो मालिक अभी भी बिल्कुल बेखोफ है उनको इस बात से कोई परवाह नहीं है कि लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को आने जाने में परेशानी होती है और जो रास्ता बनवाया गया है वह सभी के लिए बनवाया गया है ना की उनको

पीलीभीत के निमाणाधीन नर्सिंग कॉलेज में चोरी: मोबाइल और सरिया चुराकर फरार हुए दो संदिग्ध, पुलिस ने केस दर्ज किया

(जीएनएस)। पीलीभीत, देशनगर स्थित आईटीआई परिसर में बन रहे स्वशासी गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज एवं हॉस्टल से चोरों ने निर्माण सामग्री और मोबाइल फोन चुरा लिया। कोतवाली पुलिस ने दो संदिग्धों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देखा। आरोपी अरमान पुत्र साबिर और सरोज अली पुत्र अतीक शाह (निवासी अज्ञात) मौके से फरार हो गए। मिश्रा पर निर्माण सामग्री जैसे तार व सरिया की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। तहरीर मिलते ही हेड मोहरीर नीरव सक्सेना ने मूल एफआईआर दर्ज की। शहर कोतवाली सत्येंद्र कुमार ने कहा, "आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हैं। जल्द गिरफ्तारी होगी।" यह घटना निमाणाधीन परियोजनाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े करती है।



सीएम योगी सख्त, सैनिक की शिकायत पर कार्रवाई, बच्चों को पढ़ाई और अनुशासन की सीख

(जीएनएस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक बार फिर यह संदेश दिया कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। शासकीय दायित्वों की व्यस्तताओं के बावजूद उन्होंने 'जनता दर्शन' कार्यक्रम आयोजित कर दूर-दराज से आए नागरिकों से सीधे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने न केवल लोगों की शिकायतें सुनीं, बल्कि संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही जांच और निस्तारण के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि हूसरकार प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों की सेवा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और

किसी भी प्रकार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन: संवाद और समाधान का मंच



'जनता दर्शन' कार्यक्रम मुख्यमंत्री और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोग अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखते हैं। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में

राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, बिजली, नगर निकाय, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कई मामले सामने आए। मुख्यमंत्री ने हर प्रार्थना पत्र को

नेत्रहीन पिता गांव में रहते हैं। आरोप है कि रिश्तेदारों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है और विरोध करने पर धमकी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हापुड़ प्रशासन को तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा।

जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की। एक सैनिक ने बताया कि वह और उनका भाई सेना में तैनात होकर देश की सेवा कर रहे हैं, जबकि उनके

पत्थर की जगह पीली ईंटों का 'अधर्मी' खेल ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लॉक प्रमुख की देखरेख में बन रहे इस नाले में मानकों की धजियां उड़ाई जा रही हैं। नाले की नींव में जहां मजबूत

पीलीभीत में मिशन शक्ति-5 के तहत महिला टीम ने छात्राओं को किया सशक्त, साइबर अपराध और बाल विवाह पर दी जानकारी

(जीएनएस)। पीलीभीत, पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में चल रहे मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए थानों पर नियुक्त महिला सुरक्षा केंद्र टीम ने उत्तरी क्षेत्र के विभिन्न थानों का भ्रमण किया। टीम ने थाना महिला थाना, बरखेड़ा, दियोरिया कला, हजारा, अमरिया, घुंघुआई, सुनगढ़ी, माधोटांडा, करेली तथा सेहरामऊ क्षेत्रों में पहुंचकर छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। महिला सुरक्षा टीम ने छात्राओं को महिला संबंधी कानूनों, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। विशेष रूप से साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए, जिसमें सोशल मीडिया पर सावधानी बरतने, संदिग्ध लिंक न खोलने और तत्काल शिकायत दर्ज कराने पर जोर दिया गया। साथ ही बाल विवाह के खतरे से बचाव हेतु भी विस्तार से जागरूक



किया गया। टीम ने छात्राओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या अपराध की स्थिति में बिना देरी



किए हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। इस अभियान से क्षेत्र की छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब

अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग हो गई हैं। पुलिस प्रशासन ने कहा कि मिशन शक्ति-5 को और प्रभावी बनाने के लिए ऐसे भ्रमण निरंतर जारी रहेंगे।

पूरनपुर में नहर विभाग के बदमाशों ने तोड़ा निमाणाधीन मंदिर

(जीएनएस)। पीलीभीत, कलीनगर रोड पर अमरिया खाते के पास मेन रोड पर सिद्ध पिपलेश्वरनाथ महादेव मंदिर है जिसका वहां के स्थानीय लोग और मंदिर के पुजारी जी सभी के सहयोग से मंदिर का निर्माण चल रहा था जहां सुबह 11-12 बजे के बीच कुछ अज्ञात लोग पहुंचे और खुद को नहर विभाग का बताते हुए मंदिर के निर्माण को तोड़ने लगे। जब आस पास के गांव वालों को सूचना मिली और वो सब मंदिर पहुंचे तभी भीड़ को आता देख अज्ञात लोग वहां से फरार हो गए। यह सूचना ठाकुर शिवम सिंह

पीलीभीत में नशेड़ी ट्रक चालक ने साइकिल सवार को कुचला, मौत; कार को ठोका, दो घायल

(जीएनएस)। पीलीभीत। थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के छतरी चौराहे पर रविवार रात करीब 9 बजे नशे में धुत ट्रक चालक ने हादसा कर दिया। अनियंत्रित ट्रक ने पहले साइकिल सवार युवक को रौंद दिया, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद ट्रक ने एक कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें सवार दो युवक संजीव और अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्टेशन की ओर से तेज रफ्तार ट्रक चौराहे पर पहुंचा। नशे की अदकारी

में चालक ने साइकिल सवार को चपेट में ले लिया। ट्रक रुकने के बजाय कार से भी टकरा गया, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद सड़क पर मृतक का शव और खून फैल गया, जिसे पुलिस ने रेत डालकर ढका। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी



नरेश त्यागी और क्षेत्राधिकारी दीपक चतुर्वेदी भारी पुलिस बल के साथ

पहुंचे। ट्रक चालक भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पिटाई कर दी। इससे चौराहे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने भीड़ संभाली और चालक को हिरासत में ले लिया।

थाना प्रभारी नरेश त्यागी ने बताया कि आरोपी नशे में धुत था हादसे में एक की मौत हुई और दो घायल हैं। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया जा रहा है तथा मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा। चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवा यात्रा का समापन:स्थानीय भाजपा विधायक को न बुलाने पर प्रोटोकॉल उल्लंघन का सवाल, बोले- कोई सूचना नहीं मिली

(जीएनएस)। पीलीभीत। बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (अरुउ) में रविवार को "गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0" का भव्य समापन समारोह आयोजित हुआ। नेशनल मेडिको ऑर्गेनाइजेशन (टड) के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में जिले के आला अधिकारी, मंत्री व अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल रहीं, लेकिन स्थानीय भाजपा विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद की अनुपस्थिति ने राजनीतिक व प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी। विधायक को न आमंत्रित करने या सूचना न देने को प्रोटोकॉल का घोर उल्लंघन बताया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में भाजपा के

प्रदेश महामंत्री व एमएलसी अनुप गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। गन्ना राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भी शिरकत करने पहुंचे। वक्ताओं ने टड द्वारा भारत-नेपाल सीमा से सटे दुर्गम क्षेत्रों में दी गई चिकित्सा सेवाओं की खूब सराहना की। संस्था के क्षेत्रीय सचिव डॉ. भूपेंद्र व जिला प्रभारी डॉ. निधि क. कुमार ने इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने की। इस दौरान डॉ. अर्चना सिंह, डॉ.



प्रियंका यादव, डॉ. शोभित सिंह सहित कई फैकल्टी सदस्यों व छात्र-छात्राओं रतन दीप शर्मा, प्रखर पटेल, दिव्या सागर आदि को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया

गया। हालांकि, स्थानीय विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद को कार्यक्रम की कोई सूचना न देने पर सवाल उठे। विधायक ने बताया, "मुझे कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं मिली। यह किसके द्वारा आयोजित था, मुझे पता ही नहीं। फिलहाल जिलाधिकारी से बात करूंगा।" मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरुण डॉ. से पूछा गया तो उन्होंने जिम्मेदारी टड पर डालते हुए कहा कि कार्यक्रम उनकी ओर से आयोजित था।

बरखेड़ा क्षेत्र के इस बड़े आयोजन में जनप्रतिनिधि की अनदेखी से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि क्या यह जानबूझकर की गई उपेक्षा थी।

भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत मसौली भूलीगंज में संपन्न

(जीएनएस)। ग्राम पंचायत मसौली ब्लॉक इकाई भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत काली माता मंदिर मसौली भूलीगंज में संपन्न हुई बैठक में दिनांक 17 फरवरी 2026 को तहसील फतेहपुर के गांव दादन पुर चौराहा पर होने वाली किसान मजदूर स्वाभिमान महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की रूपरेखा तय की गई किसान भाइयों से अपील की गई कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में

कार्यक्रम में पहुंचे बैठक में ग्राम अध्यक्ष राम लखन वर्मा अवध राम राजेंद्र वर्मा सत्येंद्र वर्मा राम गणेश रामसागर वर्मा काफ़ी किसानों के अलावा पदाधिकारी में रामकिशोर पटेल अनुपमा वर्मा हौशिला प्रसाद रामतीर्थ पन्नालाल दिलीप कुमार जागेश्वर चौधरी राजकुमार हनुमान प्रसाद राधेश्याम और काफ़ी संख्या में किसान व माताएं बहने इस सभा में उपस्थित रहीं पूर्व ब्लाक अध्यक्ष बनी कोडर राज कारण वर्मा जी जिनका



बीती रात निधन हो गया था आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर

प्रार्थना की गई

भ्रष्टाचार : सिस्टम बना 'धृतराष्ट्र', विधायक की चुप्पी पर उठे सवाल

(जीएनएस)। बीसलपुर पीलीभीत: सरकार भले ही भ्रष्टाचार पर 'जिरो टॉलरेंस' का दावा करे, लेकिन तहसील बीसलपुर के ग्राम चौसरा में हकीकत इसके उलट है। यहाँ नाला निर्माण के नाम पर सरकारी धन की सरेआम लूट मची है, और जिम्मेदार अधिकारी 'धृतराष्ट्र' बनकर आंखों पर पट्टी बांधे बैठे हैं।

पत्थर की जगह पीली ईंटों का 'अधर्मी' खेल

ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लॉक प्रमुख की देखरेख में बन रहे इस नाले में मानकों की धजियां उड़ाई जा रही हैं। नाले की नींव में जहां मजबूत

पत्थर होने चाहिए थे, वहां घटिया पीली ईंटों को तोड़कर बिछाया जा रहा है। सीमेंट के नाम पर केवल देशी रेत का इस्तेमाल हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह नाला पहली बारिश का वेग भी नहीं झेल पाएगा और ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगा।

विधायक की 'सिलेंक्टिव' सक्रियता पर ग्रामीणों का गुस्सा चौसरा रोड पर निवास विधायक के खिलाफ भारी रोष है। ग्रामीणों का

कहना है कि, विधायक जी दूर-दराज के गांवों में जाकर तो छोटी-मोटी कमियां पर नालियां तुड़वा देते हैं और वाहवाही बटोरते हैं, लेकिन तहसील से महज 2 किमी की दूरी

पर बसे चौसरा में हो रहा यह बड़ा भ्रष्टाचार उन्हें नजर क्यों नहीं आ रहा? क्या विधायक जी की यह सक्रियता केवल चुनावी क्षेत्रों तक सीमित है या फिर ब्लॉक प्रमुख के इस काम को उनका मौन समर्थन प्राप्त है?

अंधा प्रशासन और लुटता सरकारी खजाना हैरानी की बात यह है कि दिन-दहाड़े घटिया सामग्री का प्रयोग हो रहा है, लेकिन आला अधिकारी मौके पर जांच करने की जहमत नहीं उठा रहे। गांव वालों का दो-टूक कहना है कि यह विकास नहीं, बल्कि सरकारी धन की बंदरबांट है।

वही गांव वालों का कहना है हमारा टैक्स का पैसा मिट्टी में मिलाया जा रहा है। अगर यह नाला जल्द ही मानक के अनुरूप नहीं बनाया गया, तो ग्रामीण उच्च अधिकारियों का घेराव करेंगे।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम हाफिज नगर बन्नाही में प्रथम विशाल भंडारा, ग्रामवासियों व क्षेत्रवासीओ को सादर आमंत्रण।

(जीएनएस)। पीलीभीत/बीसलपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तहसील बीसलपुर के ग्राम हाफिज नगर बन्नाही में प्रथम बार विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक कार्यक्रम भगवान शिव के प्रति गहरी भक्ति और समुदायिक एकता का प्रतीक बनेगा, जिसमें ग्राम के अलावा आसपास के क्षेत्रवासी भी सादर

आमंत्रित हैं कार्यक्रम 15 फरवरी 2026 को रविवार को सायंकाल 3 बजे से प्रभु इच्छा तक प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में आयोजित होगा। आयोजकों ने सभी ग्रामवासियों और भक्तजनों से विनम्र निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारें, भोलेनाथ के दर्शन करें तथा भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर इस पुण्य कार्य के भागीदार बनें। यह भंडारा न



केवल भक्तों को स्वादिष्ट प्रसाद प्रदान करेगा, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और सामाजिक सद्भाव का संचार भी करेगा। हाफिज नगर बन्नाही का शिव मंदिर प्राचीन होने के साथ-साथ क्षेत्रवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहाँ महाशिवरात्रि के दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। आयोजन के प्रमुख संयोजक प्रवीण कुमार गंगवार, देवेश कुमार तथा आलोक कुमार गंगवार, देवेश सौजन्य से सुरेन्द्र पाल सिंह एवं समस्त ग्रामवासी इस कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए तैयार हैं।

संयोजक प्रवीण कुमार ने लोगों से विशेष आग्रह किया है कि इस पावन दिन पर प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन अवश्य करें और भंडारे में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण करें। ग्रामवासियों से इस आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह व्यक्त है। वे सभी एकत्र होकर महाशिवरात्रि की धूम मनाएंगे तथा स्थानीय परंपराओं को मजबूत करने के साथ सामाजिक एकता को बढ़ावा देंगे। आयोजकों का कहना है कि यह भंडारा ग्राम-क्षेत्र की एकता का अनूठा उदाहरण बनेगा।